केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450] 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 285 रविवार 10 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। पुलिस ने कप्तानगंज थाना क्षेत्र में मनोज तिवारी हत्याकांड के तीसरे फरार आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। 25 हजार रुपये के इनामी इस आरोपी के बाए पैर में गोली लगी है। पुलिस ने उसके पास से अवैध तमंचा, कारतूस और बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल बरामद की है।

यह मामला 3 मई का है, जब ग्राम कल्याणपुर करचौलिया स्थित समय माता मंदिर के पास सड़क किनारे एक युवक का शव मिला था। मृतक की पहचान मनोज तिवारी के रूप में हुई थी। मृतक की पत्नी की तहरीर पर कप्तानगंज थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था।

मामले के खुलासे के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, सीडीआर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर 5 मई को दो आरोपियों शिवम गुप्ता और ऋषभ मिश्रा उर्फ राज मिश्रा को गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, एक पिकअप वाहन, खून से सना तौलिया और अन्य संबंधित सामान बरामद हुआ था।

घटना का तीसरा आरोपी शिवा विश्वकर्मा, निवासी फरेंदा सेंगर, लगातार फरार चल रहा था। पुलिस अधीक्षक ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। शनिवार तड़के गढ़हा गौतम के पास पुलिस चेकिंग के दौरान आरोपी ने भागने का प्रयास किया और पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

सीओ स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि घायल आरोपी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज भेजा गया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रेमी की हत्या मामले में प्रेमिका गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। मुंडेरवा पुलिस ने अपने प्रेमी को आग लगाकर मारने के आरोप में क्रांति चौधरी नामक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला को मुंडेरवा रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया। पीड़ित रामचंद्र गुप्ता की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना 1 मई की रात करीब 11 बजे की है। आरोप है कि क्रांति चौधरी ने रामचंद्र गुप्ता को कमरे में बंद कर आग लगा दी थी। रामचंद्र किसी तरह छत के टाड़ पर चढ़कर एक रास्ते से बाहर कूद गए, लेकिन तब तक उनका शरीर बुरी तरह जल चुका था। परिजनों ने उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा था। हालांकि, 6 मई की रात करीब 10 बजे इलाज के दौरान रामचंद्र गुप्ता की मृत्यु हो गई।

इस मामले में 2 मई को रामचंद्र की मां सरस्वती देवी ने मुंडेरवा थाने में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया कि क्रांति चौधरी, जो दयाशंकर की पत्नी हैं और थाल्हापार, लालगंज की निवासी हैं, उनके बेटे रामचंद्र गुप्ता के साथ पिछले चार साल से बिना शादी के पति–पत्नी के रूप में रह रही थी। पिछले दो महीने से वह उनके घर में ही रह रही थी। तहरीर के आधार पर मुंडेरवा थाने में धारा 118(2) बीएनएस के तहत क्रांति चौधरी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। रामचंद्र की मृत्यु के बाद, मुकदमे में धारा 103(1) बीएनएस भी जोड़ी गई। पुलिस इस मामले में आगे की विवेचना कर रही है।

राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री योगी मंत्रिमण्डल विस्तार की सरगर्मियां तेज

लखनऊ (आभा)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनभवन पहुंचकर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की। इसके साथ ही मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि रविवार या सोमवार को मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। मंत्रिमंडल में 6 नए मंत्रियों को शामिल किए जाने की चर्चा है। माना जा रहा है कि रविवार या सोमवार को मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। मंत्रिमंडल में छह नए मंत्रियों को शामिल किए जाने की चर्चा है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से

मुलाकात के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें लालचंद राम द्वारा लिखित पुस्तक भारतीय ज्ञान परंपरा अवधारणा पुस्तक भेंट की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसे शिष्टाचार भेंट बताया है। उधर, लखनऊ के सियासी गलियारों में इसे मंत्रिमंडल विस्तार से जोड़कर देखा जा रहा है। पिछले कुछ घंटों में राजधानी में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सरगर्मियां काफी बढ़ गई हैं। बताया जा रहा है कि जिन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किया जाना है उन्हें कल राजधानी लखनऊ में ही रहने को कहा गया है। मंत्रिमंडल में छह नए मंत्रियों को शामिल किए जाने की संभावना जताई जा रही है। इसमें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके भूपेंद्र चौधरी के नाम को लगभग तय बताया जा रहा है।

भूपेंद्र चौधरी के अलावा पूजा पाल, मनोज पांडेय, सुरेंद्र दिलेर के नाम भी लिए जा रहे हैं। पूजा पाल का नाम इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि पार्टी इस दांव से कई निशाने साध सकती है। महिला और पिछड़े वर्ग का कोटा पूरा करने के साथ ही भाजपा उन्हें सपा को घेरने के लिए सियासी हथियार के रूप में भी इस्तेमाल कर सकती है। इसके अलावा पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह, कृष्णा पासवान, संतोष सिंह, हंसराज विश्वकर्मा, आशा मौर्य के नाम भी रेस में शामिल बताए जा रहे हैं। इनके अलावा संगठन से जुड़े ब्राह्मण चेहरे और ब्रज के एक विधायक का नाम इस फेहरिस्त में शुमार है।

प्राथमिक शिक्षक संघ विक्रमजोत का ब्लॉक का अधिवेशन सम्पन्न, संजीव सिंह अध्यक्ष सत्य प्रकाश मंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई विक्रमजोत का त्रैवार्षिक अधिवेशन शनिवार को छावनी स्थित बीआरसी परिसर में सम्पन्न हुआ। चुनाव पर्यवेक्षक जिला उपाध्यक्ष रवीश कुमार मिश्र, चुनाव अधिकारी जिला संगठन मंत्री विवेक कान्त पाण्डेय और जिला प्रचार मंत्री विजय राव की देखरेख में पदाधिकारियों का निर्वाचन संपन्न हुआ।

अध्यक्ष पद के लिए संजीव कुमार सिंह 225 मत पाकर विजई रहे। वहीं निकटतम प्रतिद्वंद्वी देवेन्द्र सिंह को 138 मत मिला। चुनाव पर्यवेक्षक ने बताया कि 425 मत के सापेक्ष 364 मत पड़े। जिसमें एक मत अवैध पाया गया। निर्वाचित अध्यक्ष के के साथ ही पूरी कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें मंत्री पद पर

सत्यप्रकाश, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर मधुकर उपाध्याय, उपाध्यक्ष पद पर मोहम्मद वकीलउद्दीन, मोहनलाल, महेश कुमार, कृष्ण चंद्र गौतम और सरोज, संयुक्त मंत्री पद पर जयशंकर पाण्डेय, संगठन मंत्री पद पर एकता सिंह, अनुपम, हरीश कुमार और जूही श्रीवास्तव, प्रचार मंत्री पद पर जूही आनंद, राजेंद्र प्रसाद और प्रियंका सिंह, कोषाध्यक्ष पद पर विजय सेन निर्वाचित हुए। अमित पाण्डेय को संघर्ष समिति का अध्यक्ष तथा राहुल को संघर्ष समिति का मंत्री मनोनीत किया गया।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। जिला कार्यसमिति द्वारा नंदलाल को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने बताया कि जिन ब्लॉकों में अभी चुनाव नहीं हुआ है उनके लिए भी तिथियां जारी कर दी गई है। सोमवार से लगातार ब्लॉकों में पदाधिकारियों के चुनाव का कार्य जारी रहेगा।

नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने शिक्षकों द्वारा उनके प्रति विश्वास जताने के लिए आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि जो दायित्व शिक्षकों ने सौंपा है पूरी निष्ठा से उसका निर्वहन करेंगे और शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण कराएंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रवाद और स्वतंत्रता के प्रतीक हैं महाराणा प्रताप –जगदम्बिका पाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । शनिवार को देश के महान सपूत महाराणा प्रताप को उनकी 486 वीं जयंती पर याद किया गया। पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता कृष्णचन्द्र सिंह के संयोजन में सिविल लाइन्स तिराहा स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर अनेक वरिष्ठ नेताओं ने माल्यार्पण किया।

माल्यार्पण के बाद पं. अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह में आयोजित संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि जब भी भारतीय इतिहास में वीरों का नाम याद किया जाता है, महाराणा प्रताप का नाम सबसे आगे है। उनकी जयन्ती हम सब के लिये प्रेरणा है। कहा कि महाराणा प्रताप ने कभी मुगल दासता स्वीकार नहीं की, जिससे वे राष्ट्रवाद और स्वतंत्रता के प्रतीक बन गए। अकबर की विशाल मुगल सेना के सामने झुकने के बजाय, प्रताप ने मेवाड़ के स्वतंत्रता के लिए संघर्ष चुना। उन्होंने मुगल सेना को कड़ी टक्कर दी, जो उनकी वीरता का प्रतीक बना। नयी पीढी को उनके राष्ट्र प्रेम और योगदान से प्रेरणा लेनी चाहिये।

डा. राम नरेश सिंह मंजुल, अजय सिंह, श्वेतांक शेखर सिंह, पूर्व आइ.ए.एस ओ.एन. सिंह, रानी दिनेश प्रताप सिंह, हरीश सिंह आदि ने कहा कि प्रत्येक युग में

-युवा पीढी महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा ले
-महाराणा प्रताप को जयंती पर किया नमन्, योगदान पर व्यापक विमर्श

समय– काल के अनुरूप नायक पैदा होते रहते हैं। देश के निर्माण में अनेक महापुरूषों का योगदान है। हमें महापुरूषों से प्रेरणा लेकर उनके सपनों के अनुकूल भारत निर्माण का संकल्प साकार करना होगा। युवा पीढी महाराणा प्रताप के जीवन से प्रेरणा लें। महेश चन्द्र सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, रामायन सिंह, आसमान सिंह, बेचूं सिंह, योगेन्द्र सिंह, अवधेश सिंह, मार्कण्डेय सिंह, महन्थ पाल, गोपेश पाल, यज्ञेश पाण्डेय, शैलेष पाण्डेय, राघवेन्द्र सिंह आदि ने कहा कि महापुरुष संघर्ष की कोख से ही पैदा होते है। अपने महापुरूषों के बल पर भारत पुनः विजेता बनकर उभर रहा है।

कार्यक्रम संयोजक भाजपा नेता कृष्णचन्द्र सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप बहुत ही स्वाभिमानी प्रवृत्ति के नायक थे। जब राणा प्रताप को अपने वश में करने के अकबर के सभी प्रयास विफल रहे तब हल्दीघाटी का ऐतिहासिक युद्ध हुआ। आज फिर जब देश युद्ध के मुहाने पर है तो हमें महाराणा प्रताप के संघर्षो से प्रेरणा लेनी होगी। गोष्ठी का विषय प्रवर्तन करते हुये एपीएन पी.जी. कालेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अमन प्रताप सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप ने पूरी सजगता और अप्रतिम वीरता के साथ युद्ध लड़ा। इस युद्ध में महाराणा का प्रिय चेतक बलिदान हो गया। उनका संघर्ष और योगदान युगों तक याद किया जायेगा। महेश चन्द्र सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का पूरा जीवन संघर्षो से घिरा रहा किन्तु वे अपने लक्ष्य से विचलित नहीं हुये। संचालन करते हुये अजय सिंह ने महाराणा प्रताप के इतिहास और योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। ओमेगी इण्टर नेशनल स्कूल के छात्रों ने महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़ा नाटक प्रस्तुत कर मन मोह लिया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ध्रुवचन्द्र सिंह, संजय सिंह, आसमान सिंह, , जर्नादन सिंह, श्याम चन्द्र सिंह, के.के. सिंह, गोपाल यादव, चन्द्रकेश सिंह 'मनोज' नरेन्द्र सिंह, आदित्य विक्रम सिंह, अंकित मिश्र, दिनेश पाल, राम अधार पाल, डा. बृजेश पाल, पंकज सिंह, सौरभ सिंह, शिवम सिंह, वीर बहादुर सिंह, विपुल सिंह, महन्त पाल, लक्की पाल, आशीष सिंह, रणंजय सिंह, अरूण पाण्डेय, अमन चौधरी, सोनू सिंह, अरविन्द सिंह, अवनीश सिंह, रोहित सिंह, रोली सिंह, आशा सिंह, आनन्द सिंह 'बाजा' विनय सिंह के साथ ही अनेक लोग उपस्थित रहे। राममवन यादव, पंकज गोस्वामी और साथियों ने गीतों के माध्यम से महाराणा प्रताप की स्मृतियों को जीवन्त किया।

पश्चिम बंगाल में अब शुभेंदु अधिकारी की सरकार

कोलकाता (आभा)। शनिवार से पश्चिम बंगाल में अब शुभेंदु अधिकारी की सरकार बन गई है। शुभेंदु अधिकारी ने बांग्ला में सीएम पद की शपथ ली। इसके बाद वो मंच पर मौजूद अतिथियों से मिले । पीएम नरेंद्र मोदी ने शुभकामनाएं दीं। दूसरे नंबर पर दिलीप घोष ने शपथ ली। दिलीप घोष बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद रह चुके हैं। वो बीजेपी के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके अलावा बीजेपी की महिला नेता अग्निमित्रा पॉल ने भी शपथ ली। वो दो बार से लगातार जीत रही हैं। इनके अलावा निशिथ प्रमाणिक भी शुभेंदु सरकार में मंत्री बने हैं। नरेंद्र मोदी की सरकार में निशिथ प्रमाणिक मंत्री रह चुके हैं। इस समारोह में

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी और 90 वर्षीय पुराने बीजेपी कार्यकर्ता माखनलाल सरकार के प्रति उनका सम्मान, इस पूरे कार्यक्रम का सबसे भावुक हिस्सा रहा।

इससे पहले शुभेंदु अधिकारी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'पश्चिम बंगाल के लिए यह सचमुच एक ऐतिहासिक सुबह है. ' हर्ष का क्षण है. आज, आजादी के बाद पश्चिम बंगाल में पहली बार बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बनते हुए, हम अपने संस्थापक पुरखों के सपनों को साकार होते देख रहे हैं।

कैमरे की निगरानी में हुई पीजीटी परीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती जिले में शुक्रवार को पीजीटी (पोस्ट ग्रेजुएट टीचर) परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी के बीच संपन्न हुई। जिले के 22 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 9.30 बजे पहली पाली की परीक्षा शुरू हुई। इस पाली में कुल 8389 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 4558 अनुपस्थित रहे, जबकि 3831 अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुए।

परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना और पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने शहर के बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज सहित कई परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए केंद्र व्यवस्थापकों को शासन की गाइडलाइन का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए।

जयन्ती पर महाराणा प्रताप को किया नमन्: योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शनिवार को श्री राजपूत करणी सेना द्वारा वीर शिरोमणि, महाराणा प्रताप जी की जयंती भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर क्षत्रिय समाज एवं राष्ट्रवादी हिंदू समाज के सैकड़ों लोगों ने एकजुट होकर वीरता और त्याग की मिसाल महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन् किया।

प्रातः 9 बजे बड़ी संख्या में कंपनीबाग एकत्रित हुए। वहाँ से गाजे–बाजे एवं जय महाराणा प्रताप के गगनभेदी जयघोष के साथ शोभायात्रा निकाली गई, जो महाराणा प्रताप चौक पहुँची। चौक स्थित महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा पर सभी ने पुष्पांजलि अर्पित किया। इसके बाद भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने महाराणा प्रताप जी के जीवन–चरित्र, शौर्य, स्वाभिमान एवं राष्ट्रभक्ति पर प्रकाश डाला।

एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह के प्रतिनिधि हरीश सिंह, राजपूत करणी सेना के पूर्वांचल प्रवक्ता चंद्रेश प्रताप सिंह, बलबीर सिंह चौहान, सदानंद पाल सूर्यवंशी, ठाकुर दीपक

सिंह जिला अध्यक्ष राजपूत करणी सेना, राम प्रताप सिंह, राष्ट्रीय सवर्ण शक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी पाण्डेय, राजपूत करणी सेना के पूर्वांचल अध्यक्ष यशवंत सिंह 'रोलू' एवं विवेक मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि महाराणा प्रताप जी ने घास की रोटी खाकर भी अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की। उन्होंने हमें सिखाया कि स्वाभिमान से बड़ा कोई धन नहीं। आज युवाओं को उनके त्याग, बलिदान और शौर्य से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। महाराणा प्रताप केवल राजपूत समाज के नहीं, सम्पूर्ण हिंदू समाज एवं राष्ट्र के गौरव हैं।

माल्यार्पण एवं गोष्ठी में मुख्य रूप से पुलकित सिंह गर्गवंशी, अनिल सिंह, शिवेंद्र सिंह, अमरदेव सिंह कोटिया, अवनीश सिंह, अमितेश प्रताप सिंह, अमन सिंह, राजन सिंह, अजय सिंह, शत्रुघ्न पाल, अतुल सिंह, विनय सिंह, संकटा प्रसाद, आशुतोष सिंह, नागेश सिंह, अशोक सिंह संजय पाण्डेय, शैलेन्द्र सिंह, राहुल सिंह, केसी सिंह, महेश सिंह, अमित पाल, किशन सिंह, अवनीश कुमार मिश्र, शिवम् शुक्ल सहित सैकड़ों राष्ट्रभक्त नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने महाराणा प्रताप जी के आदर्शों पर चलने एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प लिया।

सेन्ट्रल एकेडमी में उल्लास के साथ मनाया गया मदर्स डेः छात्रों के साथ माताओं को मिला सम्मान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । शनिवार को सेन्ट्रल एकेडमी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में मदर्स डे उत्साह और संकल्पो के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों की माताओं को विद्यालय परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। निदेशक जे.पी. तिवारी, प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी, सहायक निदेशक अनुज तिवारी ने कहा कि एनाजार्विस को मदर्स डे की शुरुआत का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने अपनी मां के निधन के बाद उनके सम्मान में एक खास दिन मनाने की पहल की। एना चाहती थीं कि सभी लोग अपनी मां के प्यार और त्याग को सम्मान दें। इसी सोच ने बाद में मदर्स डे का रूप ले लिया। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने साल 1914 में मदर्स डे को आधिकारिक मान्यता दी। इसके बाद इसे राष्ट्रीय पर्व घोषित किया गया। धीरे–धीरे यह परंपरा दुनिया के कई देशों में फैल गई और आज भारत समेत अनेक देशों में यह दिन बड़े उत्साह से मनाया जाता है। कहा कि मां का स्थान पूरी सृष्टि में सर्वोच्च है।

-मां का स्थान पूरी सृष्टि में सर्वोच्च-जे.पी. तिवारी

कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों ने मां पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया। संदेश दिया कि संसार में मां का स्थान सर्वोच्च है। अरवी, प्रियांशी, वरूण, कार्तिक, रूद्रांश, श्रुति यादव, शिवा मद्धेशिया, मानस गुप्ता, अजीत कुमार, आरूषि यादव, अद्रिक यादव, अभय चौधरी, अनाया गुप्ता, अभिनव कुमार, श्रेष्ठ वर्मा, श्रेया गुप्ता, अक्षत सिंह, नव्या मिश्र, अस्तित्व सिंह, अंजू, नित्या, अर्शिया, राजश्री तिवारी आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर माताओं ने अपने अनुभव साझा किये। कार्यक्रम में छात्रों और उनकी माताओं में पुरस्कार वितरित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से आबिद अरशद, प्रियंका त्रिपाठी, ए. के. मिश्र, रानी, श्रेया, द्विवेदी, अंजली, सुधा गौड़, शम्स परवेज, अंजली, रूचि, फिजा अकरम, फिजा यूनुस आदि ने छात्रों को मदर्स डे के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 10 मई 2026 रविवार

सम्पादकीय

पश्चिम बंगाल में शुभेंदु युग

भारतीय जनता पार्टी नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शनिवार को शपथ ली। वह पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बनने वाले भाजपा के पहले नेता हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद थे। शपथ ग्रहण के बाद पीएम मोदी ने बंगाल के नए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को गले लगाकर शुभकामनाएं दीं। वहीं कांग्रेस ने शपथ ग्रहण के बाद एक वीडियो के जरिए पीएम मोदी और बीजेपी पर निशाना साधा है।

कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में राज्यपाल आरएन रवि ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके साथ पांच अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली है जिनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, क्षुदीराम टुडू और नीशीथ प्रमाणिक का नाम शामिल है। उनके शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे। इसके अलावा शपथ ग्रहण कार्यक्रम में 20 राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री पहुंचे थे।

पूर्व मेदिनीपुर जिले से आने वाले अधिकारी पिछले पांच दशकों में बंगाल के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गए हैं, जो कोलकाता के पारंपरिक राजनीतिक केंद्र से नहीं, बल्कि राज्य के किसी जिले से उभरे हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले बंगाल के आखिरी मुख्यमंत्री अजय मुखर्जी थे, जो 1970 में मुख्यमंत्री बने थे। संयोग से वह भी अविभाजित मेदिनीपुर क्षेत्र से ही थे, जिसे लंबे समय से बंगाल की राजनीति का प्रभावशाली क्षेत्र माना जाता है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में नया अध्याय शुरू करते हुए भाजपा ने पहली बार राज्य में सत्ता हासिल की है। पार्टी ने 294—सदस्यीय विधानसभा में 207 सीटें जीतकर 15 वर्षों से शासन कर रही अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया, जो सिमटकर केवल 80 सीटों पर रह गई। अधिकारी के लिए शनिवार का दिन एक लंबी राजनीतिक यात्रा का अहम पड़ाव है। उन्होंने जमीनी स्तर के कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में राजनीति शुरू की थी, फिर वह तृणमूल के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल हुए और बाद में ममता बनर्जी के प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बनकर उभरे।

कांग्रेस ने एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि वो साल दूसरा था ये साल दूसरा है। इस वीडियो में एक ओर जहां पीएम मोदी शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण के बाद उनकी पीठ थपथपाते नजर आ रहे हैं तो वहीं एक पुराने वीडियो में पीएम मोदी शुभेंदु अधिकारी पर निशाना साध रहे हैं। यह वीडियो साल 2016 का है। कांग्रेस के कई दूसरे नेताओं ने भी इस वीडियो को शेयर करके बीजेपी पर निशाना साधा है।

शुभेंदु दिसंबर 2020 में तृणमूल छोड़ बीजेपी में शामिल हो गए थे और वह तभी से बंगाल में पार्टी के लगभग हर बड़े आंदोलन में सबसे आगे रहे। शुभेंदु अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को पांच साल के अंतराल में दो बड़े चुनावी झटके दिए। पहला, 2021 के विधानसभा चुनाव में उनका गढ़ कहलाने वाले नंदीग्राम में। दूसरा, 2026 के विधानसभा चुनावों में ममता का अभेद्य गढ़ माने जाने वाले भवानीपुर में।

बंगाल में राजनीतिक टकराव गहराने के बीच शुभेंदु राज्य के कुछ सबसे अस्थिर क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं को लामबंद करने वाले बीजेपी के सबसे प्रमुख नेता के रूप में उभरे। साल 2023 के पंचायत चुनावों के दौरान उन्होंने कथित चुनावी हिंसा और धमकी के खिलाफ प्रदर्शनों का लगातार नेतृत्व किया, जबकि 2024 में वह संदेशखाली में अशांति को लेकर पार्टी के आंदोलन के सबसे प्रमुख चेहरों में से एक रहे। बीजेपी ने 294—सदस्यीय विधानसभा में 207 सीट हासिल कर राज्य में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन को समाप्त कर दिया। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि राजनीति का यह नया सन्दर्भ सपनों को पूरा करने में कितना सार्थक होगा।

मोदी ने डाक्टर लोहिया के सपनों को पूरा किया

—सत्येन्द्र सिंह 'भोलू'—

आज सपा प्रमुख अखिलेश यादव जहां पानी पी पी कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को और भाजपा कोसते नहीं थकते हैं वहीं दूसरी तरफ प्रसिद्ध समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया ने जो सपना 1962 के लोकसभा चुनाव में देखा था उसको आज 64 साल बाद नरेंद्र मोदी जी ने पश्चिम बंगाल में एक ऐसी महिला जो दुसरो के घरों में झाड़ू पोंछा करती थी कलिता माझी को विधायक बना कर लोहिया जी के सपनों को साकार किया। बताते चलें डाक्टर लोहिया ने 62 में ग्वालियर से एक महिला सफाईकर्मी सुखो रानी को चुनाव लड़ाया था। इस ऐतिहासिक चुनाव की मुख्य बातें—प्रत्याशी सुखो रानी (एक मेहतरानी/महिला सफाईकर्मी) विरुद्ध— ग्वालियर रियासत की तत्कालीन महारानी।लोहिया का उद्देश्य— डॉ. लोहिया ने इसे 'रानी बनाम मेहतरानी' की लड़ाई बताया था, जो सामाजिक और आर्थिक क्रांति का प्रतीक थी।संदेश— उनका मानना था कि समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान और सत्ता में भागीदारी मिलनी चाहिए।लोहिया ने ग्वालियर की महारानी के खिलाफ सफाईकर्मी को लड़ाया था ..... उन्होंने (लोहिया) ग्वालियर के लोकसभा चुनाव में तत्कालीन महारानी के खिलाफ महिला सफाईकर्मी सुखो रानी को चुनाव लड़ाया था। लेकिन अगर आज डाक्टर लोहिया होते तो नरेंद्र मोदी को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर चुके होते।

64 साल पहले डॉक्टर लोहिया ने जो सपना देखा उसको आज मोदी जी ने पश्चिम बंगाल में दूसरों के घरों में बर्तन मांजकर और झाड़ू–पोछा कर अपना गुजर—बसर करने वाली जिस महिला को विधायक बनकर इतिहास रचा है, उनका नाम कलिता माझी है।कलिता माझी के बारे में मुख्य बातें—निर्वाचन क्षेत्र— वह पश्चिम बंगाल की आउसग्राम विधानसभा सीट से विधायक बनी हैं।पार्टी— उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर यह चुनाव जीता है।पृष्ठभूमि— कलिता माझी बहुत ही साधारण पृष्ठभूमि से आती हैं। वह गुसकरा इलाके में चार–पांच घरों में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थीं और महीने के लगभग 2500 से 4500 हजार कमाती थीं।जीत का अंतर— 2026 के विधानसभा चुनाव में, उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार श्यामा प्रसन्ना लोहार को 12,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया।संघर्ष— 2021 के चुनाव में भी उन्होंने किस्मत आजमाई थी, लेकिन तब वह हार गई थीं। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और काम करती रहीं।उनकी यह कहानी फर्श से अर्श तक की एक प्रेरणादायक कहानी मानी जा रही है, जो जमीनी स्तर के कार्यकर्ता की जीत को दर्शाती है।

राजनीतिक और वैचारिक विमर्श के रूप में देखे तो डॉ. राम मनोहर लोहिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों में सैद्धांतिक अंतर होने के बावजूद, वर्तमान राजनीति में लोहिया के कई विचारों को पीएम मोदी द्वारा अपनाया और सराहा गया है। डॉ. राम मनोहर ने समाज में 7 तरह की क्रांतियों की बात की, जिसमें नर—नारी समानता, रंगभेद के खिलाफ, जाति प्रथा का अंत, और आर्थिक समानता शामिल थी।चौखंभा राज्य— वे सत्ता के विकेंद्रीकरण के समर्थक थे, जिसमें केंद्र, प्रांत, जिला और ग्राम स्तर पर शक्तियां बंटी हों।जाति उन्मूलन— लोहिया का मानना था कि जाति व्यवस्था भारत में आर्थिक और सामाजिक विषमता का मूल कारण है।हिंदी और भारतीय भाषाएं— उन्होंने अंग्रेजी के वर्चस्व का विरोध किया और भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने की वकालत की।स्वदेशी और आत्मनिर्भरता— वे लघु उद्योगों और कृषि—आधारित आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के हिमायती थे। प्रधानमंत्री मोदी ने समय–समय पर लोहिया के विचारों को अपना और सराहनीय बताया है, विशेषकर सामाजिक और विकास के मुद्दों पर।गरीब और पिछड़ों का सशक्तिकरण— पीएम मोदी ने लोहिया को सामाजिक न्याय का प्रतीक माना है और उनके गरीबों व वंचितों को सशक्त बनाने के विचारों को अपनी नीतियों, जैसे उज्ज्वला योजना (धुआं रहित जीवन) और स्वच्छ भारत मिशन (शौचालय), का आधार बताया है। मोदी लोहिया के सहभागी शासन और लैंगिक समानता के विचारों को आज के समय में प्रासंगिक बताते हैं।पीएम मोदी ने उल्लेख किया है कि लोहिया वंशवादी राजनीति के विरोधी थे और आज के अवसरवादी गठबंधनों के खिलाफ थे, जिसका प्रयोग मोदी अक्सर विपक्ष पर निशाना साधने के लिए करते हैं। लोहिया 'गैर—कांग्रेसवाद' के प्रणेता थे, जबकि मोदी 'कांग्रेस—मुक्त भारत' का नारा देते हैं। इन सन्दर्भों में देखें तो पश्चिम बंगाल के चुनावों में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डा. राममनोहर लोहिया के विचारों को व्यवहारिक रूप से आगे बढाया है। निश्चित रूप से भिन्न विचारधारा के बावजूद समग्रता की दृष्टि से प्रधानंत्री नरेन्द्र मोदी अतीत के संकल्प को वर्तमान में चरितार्थ कर रहे है। यह राजनीति भविष्य के लिये निश्चित रूप से सुखद संकेत है।

—लेखक भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किसो उत्तर प्रदेश है।

शुभेंदु की सरकार, सफर और चुनौतियां

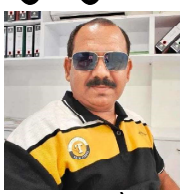

—मजहर हुसैन—

बीजेपी का उदय ऐसे समय में हो रहा है जब क्षेत्रीय ताकतें कमजोर पड़ रही हैं, जो इसकी मुखालफत करती रही हैं। इन चुनावों में ममता बनर्जी और एमके स्टालिन सत्ता से बेदखल हो गए, वहीं इससे पहले हमने आम आदमी पार्टी (आप) के अरविंद केजरीवाल, ओडिशा में बीजू जनता दल के नवीन पटनायक और बिहार में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के तेजस्वी यादव जैसे नेताओं को हारते देखा है। अधिकांश लोगों के लिए ये नतीजे इस धारणा को और मजबूत बनाते हैं कि मौजूदा राष्ट्रीय परिदृश्य में बीजेपी का कोई टिकाऊ विकल्प नहीं है।

तीन दशक पहले छात्र राजनीति से शुरुआत करने वाले शुभेंदु अधिकारी ने आखिरकार पश्चिम बंगाल की राजनीति के सर्वोच्च पद तक पहुंचने का अपना सफर पूरा कर लिया है । शुभेंदु अधिकारी का जन्म 15 दिसंबर 1970 को हुआ था स राजनितिक सफर छात्र राजनीती से शुरू होकर बंगाल के 9वे मुख्यमंत्री बनने तक का एक अत्यंत नाटकीय सफर है ।

शुरुआती दौर में वे कांग्रेस समर्थक छात्र राजनीति से जुड़े रहे। बाद में ममता बनर्जी के साथ आए और तृणमूल कांग्रेस के गठन के बाद पार्टी संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने लगे। 1990–91 में छात्र नेता के रूप में राजनीति में सक्रिय हुए शुभेंदु अधिकारी ने कांग्रेस से तृणमूल कांग्रेस और फिर भाजपा तक का लंबा राजनीतिक सफर तय किया। इस दौरान उन्होंने संगठनात्मक संघर्ष, जनांदोलन, सत्ता की राजनीति, दल—बदल और तीखे राजनीतिक टकरावों के कई दौर देखे। नंदीग्राम आंदोलन से राज्यव्यापी पहचान बनाने वाले शुभेंदु अधिकारी आज बंगाल में भाजपा के सबसे प्रभावशाली बंगाली चेहरों में गिने जाते हैं। उनकी राजनीति ने जहां समर्थकों के बीच मजबूत जननेता की छवि बनाई, वहीं विरोधियों ने उन पर ध्रुवीकरण की राजनीति के आरोप भी लगाए। छात्र राजनीति से शुरू हुआ उनका सफर अब बंगाल की सत्ता परिवर्तन की राजनीति के सबसे बड़े अध्यायों में शामिल माना जा रहा है।

नंदीग्राम आंदोलन बना सबसे बड़ा टर्निंग प्वाइंट

2007 का नंदीग्राम आंदोलन शुभेंदु अधिकारी के राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। भूमि अधिग्रहण के खिलाफ चले इस आंदोलन में वे प्रमुख आयोजकों में शामिल रहे। आंदोलन ने तत्कालीन वाममोर्चा सरकार को भारी राजनीतिक नुकसान पहुंचाया और शुभेंदु अधिकारी पूर्व मेदिनीपुर में तृणमूल कांग्रेस के सबसे मजबूत जन नेता बनकर उभरे। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार 2011 में वाममोर्चा सरकार की हार में नंदीग्राम आंदोलन की निर्णायक भूमिका रही। ममता सरकार में वह परिवहन और सिंचाई मंत्री रहे ।

तृणमूल कांग्रेस में तेजी से बढ़ा कद

तृणमूल कांग्रेस सरकार बनने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने कई अहम जिम्मेदारियां संभालीं। वे तामलुक से सांसद बने, नंदीग्राम से विधायक चुने गए और राज्य सरकार में परिवहन तथा सिंचाई एवं जलमार्ग जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाली। दक्षिण बंगाल में पार्टी संगठन को मजबूत करने में उनकी भूमिका को काफी महत्वपूर्ण माना गया। उन्हें बूथ स्तर तक संगठन खड़ा करने वाला नेता कहा जाता था। उस दौर में शुभेंदु अधिकारी की मुस्लिम मतदाताओं के बीच भी गहरी पैठ थी और मुसलमान उन्हें अपना नेता मानते थे स

ममता बनर्जी से बढ़ी राजनीतिक दूरी

2019 के बाद तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व और शुभेंदु अधिकारी के बीच मतभेद खुलकर सामने आने लगे। राजनीतिक हलकों में इसके पीछे कई कारण बताए गए, जिनमें संगठन में अभिषेक बनर्जी की बढ़ती भूमिका, निर्णय प्रक्रिया में कथित उपेक्षा और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन का विवाद प्रमुख थे। आखिरकार दिसंबर 2020 में उन्होंने तृणमूल कांग्रेस छोड़ दी।

भाजपा में शामिल होना बना बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम

दिसंबर 2020 में शुभेंदु अधिकारी औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए। उस समय इसे बंगाल की राजनीति का सबसे बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम माना गया। भाजपा ने उन्हें तुरंत राज्य की राजनीति के प्रमुख चेहरों में शामिल कर लिया।

नंदीग्राम मुकाबले ने दिलाई राष्ट्रीय पहचान

2021 विधानसभा चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम सीट से ममता बनर्जी को चुनौती दी। यह मुकाबला राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना। बेहद करीबी मुकाबले में उन्होंने ममता बनर्जी को हराया और इसके बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता बने स भाजपा में शामिल होने के बाद शुभेंदु अधिकारी लगातार हिंदुत्व, भ्रष्टाचार विरोध और कानून—व्यवस्था जैसे मुद्दों पर राज्य सरकार को घेरते रहे। उनकी आक्रामक भाषण शैली और कैडर आधारित राजनीति ने उन्हें भाजपा के सबसे सक्रिय नेताओं में शामिल कर दिया। पूर्व और दक्षिण बंगाल में उनकी संगठनात्मक पकड़ को भाजपा की चुनावी रणनीति का बड़ा आधार माना गया।

पूर्व मेदनीपुर जिले के कांथी क्षेत्र के एक बेहद प्रभावशाली राजनीतिक घराने से ताल्लुक रखने वाले शुभेंदु अधिकारी राजनीति में कोई नया नाम नहीं है उनके पिता शिशिर अधिकारी एक दिग्गज राजनेता और केंद्रीय मंत्री रहे है । परिवार के अन्य सदस्य भी सक्रिय राजनीति से जुड़े रहे हैं। पूर्व मेदिनीपुर में अधिकारी परिवार का राजनीतिक प्रभाव लंबे समय से माना जाता रहा है।

बंगाल की समकालीन राजनीति का बड़ा चेहरा

नंदीग्राम आंदोलन से लेकर सत्ता परिवर्तन की राजनीति तक शुभेंदु अधिकारी का सफर पश्चिम बंगाल की समकालीन राजनीति के सबसे महत्वपूर्ण अध्यायों में गिना जाता है। छात्र नेता से लेकर राज्य के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचने में उन्हें 35 वर्ष लगे, लेकिन इस दौरान उन्होंने खुद को बंगाल की राजनीति के सबसे प्रभावशाली नेताओं में स्थापित कर लिया।

4 मई 2026 को घोषित परिणामो में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बाद 9 मई 2026 को उन्होंने बंगाल के 9वे मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली स पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनने के साथ ही लम्बे समय से बंगाल में चल रहे तृणमूल कांग्रेस का शासन खत्म हो गया है स ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी ने एक दशक से अधिक समय तक सत्ता संभाली थी , लेकिन इस बार बीजेपी ने चुनाव में बड़ी जीत हासिल कर राजनीतिक समीकरण को बदल दिया है ।

नई सरकार के सामने कई तरह की चुनौतियां है

नई भाजपा सरकार के सामने कई बड़ी चुनौतियां होंगी स इनमे कानून व्यवस्था , बेरोजगारी , उद्योग , निवेश , भारत ,बंगलादेश सीमा सुरक्षा साथ ही राजनैतिक हिंसा और क्लब (सिंडिकेट) जो बंगाल की सबसे बड़ी समस्या है इसको भाजपा सरकार कैसे खत्म करेगी ये एक तरह की चुनौती है ।

बंगाल में हिंदुत्व का उदय

—गजेंद्र सिंह—

पश्चिम बंगाल चुनाव के आए परिणाम ने सियासत की दिशा ही बदल दी है, जनता के स्पष्ट निर्णय ने एक नई करवट ले ली है और भारतीय जनता पार्टी लगभग 208 सीटों के साथ अभूतपूर्व बढ़त बनाकर सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरी है । यह केवल आंकड़ों का उतार—चढ़ाव नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत है । 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में हुए लगभग 82% मतदान ने राज्य की सभी 294 सीटों को कवर किया और एक बार फिर यह सिद्ध किया कि बंगाल का चुनाव सिर्फ सरकार बदलने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की दिशा तय करने का निर्णायक क्षण है। वर्षों तक राजनीतिक हिंसा, कैडर—आधारित नियंत्रण और तुष्टिकरण की राजनीति से घिरे इस राज्य में यह चुनाव एक नई कहानी लिखता दिख रहा है।कभय के क्षरण, आत्मविश्वास की वापसी और लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की।

इस परिवर्तन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी रही अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था. इस चुनाव में 2.4 लाख से अधिक केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई, जो राज्य के चुनावी इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी मानी जा रही है। कुल मिलाकर 2400 से अधिक केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया, जबकि 2021 के चुनाव में यह संख्या लगभग 700से800 कंपनियों के आसपास थी, यानी इस बार सुरक्षा बलों की मौजूदगी में लगभग तीन गुना वृद्धि दर्ज की गई। राज्य के 80,000 से अधिक मतदान केंद्रों में से बड़ी संख्या को संवेदनशील और अति—संवेदनशील श्रेणी में रखा गया, जहाँ केंद्रीय बलों की सीधी निगरानी सुनिश्चित की गई। जिन इलाकों में पहले मतदान के दौरान हिंसा, धमकी और बूथ कैप्चरिंग जैसी घटनाएँ आम थीं, वहाँ इस बार मतदाताओं को अपेक्षाकृत सुरक्षित माहौल मिला। 70 प्रतिशत मुस्लिम जनसंख्या वाले मुर्शिदाबाद को जहाँ पिछले विवरण को देखते हुए 300 से अधिक केंद्रीय कंपनियों की तैनाती की गई, जबकि उत्तर कोलकाता के कई हिस्सों में लगभग 40द्व45: बूथों को "अति संवेदनशील" घोषित कर विशेष निगरानी में रखा गया। इसके अलावा, हजारों माइक्रो—ऑब्जर्वर, वेबकास्टिंग और कैमरा निगरानी के माध्यम से मतदान प्रक्रिया को रियल—टाइम में मॉनिटर किया गया। मतदान के बाद भी लगभग 500 कंपनियों को तैनात रखा गया, ताकि मतगणना और उसके बाद की स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण बनी रहे। इन व्यापक और बहुस्तरीय इंतजामों ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आमजन की भागीदारी तभी संभव है जब चुनाव भयमुक्त हों ।

पश्चिम बंगाल में मतदान प्रतिशत परंपरागत रूप से राष्ट्रीय औसत से अधिक रहा है, जो यहाँ की राजनीतिक जागरूकता को दर्शाता है। इस बार भी उच्च मतदान ने यह संकेत दिया कि जनता लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए तैयार है। लेकिन इस चुनाव का वास्तविक बदलाव केवल प्रतिशत में नहीं, बल्कि मतदाता की मानसिकता में दिखाई देता है। जहाँ पहले कई स्थानों पर मतदान संगठित दबाव, पहचान—आधारित लामबंदी और स्थानीय प्रभावों के तहत होता था, वहीं इस बार बड़ी संख्या में मतदाताओं ने अपनी व्यक्तिगत और स्वतंत्र राजनीतिक पसंद के आधार पर मतदान किया । यही वह बिंदु है जहाँ इस चुनाव का वैचारिक आयाम उभरकर सामने आता है ।

यह चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि एक व्यापक वैचारिक संघर्ष के रूप में सामने आया है, जहाँ एक ओर लंबे समय से चली आ रही तुष्टिकरण की राजनीति है और दूसरी ओर हिंदुत्व का उभरता हुआ विमर्श । इस संदर्भ में हिंदुत्व को केवल धार्मिक पहचान तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह एक ऐसे विचार के रूप में उभर रहा है जो समान अधिकार, समान कानून और सांस्कृतिक आत्मसम्मान की बात करता है। यह चयनात्मक सेक्युलरिज्म के खिलाफ प्रतिक्रिया के रूप में सामने आता है, जहाँ राज्य की नीतियों को सभी नागरिकों के लिए समान रूप से लागू करने की अपेक्षा की जाती है। इस दृष्टिकोण ने खासकर उन वर्गों में प्रभाव डाला है, जो स्वयं को लंबे समय से राजनीतिक रूप से उपेक्षित या असुरक्षित महसूस करते थे। ग्रामीण और सीमावर्ती क्षेत्रों में यह भावना और अधिक प्रबल रूप से दिखाई देती है, जहाँ सुरक्षा, पहचान और संसाधनों तक समान पहुँच जैसे मुद्दे सीधे लोगों के जीवन से जुड़े होते हैं।

विनेश फोगाट पर कुश्ती में शामिल होने पर रोकः डब्लूएफआई ने शोकॉज नोटिस जारी कर जवाब मांगा,

संवाददाता–गोंडा। जिले में कल से शुरू हो रही नेशनल ओपन रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता से 24 घण्टे पहले महिला पहलवान विनेश फोगाट को बड़ा झटका लगा है। भारतीय कुश्ती संघ (डब्लूएफआई) ने उन्हें इस प्रतियोगिता में शामिल होने से रोक दिया है। प्रतियोगिता शुरू होने से 24 घंटे पहले शनिवार दोपहर 3 बजे डब्लूएफआई ने विनेश फोगाट को कई बिंदुओं पर कारण बताओ नोटिस जारी किया। उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है, जिसके मिलने के बाद ही उनके प्रतियोगिता में शामिल होने पर निर्णय लिया जाएगा। विनेश फोगाट को 14 दिन के भीतर नोटिस का जवाब देना होगा। यह नोटिस उनके पंजीकृत पते, ईमेल आईडी और स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा गया है, ताकि बाद में नोटिस न मिलने का आरोप न लगाया जा सके। पहलवान विनेश फोगाट पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इनमें सेवानिवृत्ति, प्रतियोगिता में वापसी, अनुशासनहीनता और भारतीय कुश्ती के हितों को नुकसान पहुंचाने वाला आचरण शामिल है। उन पर पेरिस 2024 ओलंपियाड खेलों में निर्धारित वजन सीमा तक न पहुंच पाने का भी आरोप है, जिसके परिणामस्वरूप अयोग्यता और शर्मिंदगी हुई। इसके अतिरिक्त, उन पर भारतीय कुश्ती संघ के संविधान और नियमों का बार–बार उल्लंघन करने का आरोप है।

तीसरा आरोप डोपिंग विरोधी नियमों के उल्लंघन से संबंधित है, जिसमें 18 दिसंबर 2025 को दर्ज की गई एक छूटी हुई परीक्षा भी शामिल है। इसे अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने 4 मई 2026 के पत्र के माध्यम से वाडा के अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुच्छेद 4.8.8.3 और वाडा के परिणाम प्रबंधन के मानक के अनुच्छेद बी.24 के अनुसार अधिसूचित किया था। चौथा आरोप है कि उन्होंने भारतीय कुश्ती संघ के प्रतियोगिता नियमों का उल्लंघन करते हुए 11 मार्च 2024 को एनआईएस पटियाला में आयोजित चयन परीक्षा में दो बार (50 किलो और 53 किलो श्रेणियों में) भाग लिया। भारतीय कुश्ती संघ ने इन आरोपों को लेकर के जवाब मांगा है और कहा है कि आपसे कारण बताने का अनुरोध किया जाता है कि आपके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों शुरू की जानी चाहिए।

यह भी आरोप है कि इनके द्वारा संन्यास लेने को लेकर के घोषणा की गई और संन्यास लेने की घोषणा करने के बाद कुछ ही समय विनेश फोगाट द्वारा अपना सन्यास वापस भी ले लिया था। उन्होंने गोंडा में कल से शुरू हो रहे तीन दिवसीय नेशनल ओपन रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए 27 अप्रैल को अपना पंजीकरण भी किया था। इस प्रतियोगिता में पंजीकरण को लेकर के पहले विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती संघ पर आरोप लगाया था। जब भारतीय कुश्ती संघ ने इस चीज की जानकारी दी कि आरोप लगाने से पहले ही विनेश फोगाट का पंजीकरण हो गया है तो उसके बाद विनेश फोगाट ने एक वीडियो जारी किया और कहा कि बृजभूषण के इलाके में कुश्ती हो रही है। वहां पर मैं अपने आप को असुरक्षित महसूस करूंगी। अगर कुछ मेरे साथ होता तो सरकार जिम्मेदार होगी। वहां पर भारतीय कुश्ती संघ द्वारा कुश्ती कराया जा रहा है जो कि गलत है। विनेश फोगाट के इन आरोपों के बाद भारतीय कुश्ती संघ में इन सभी आरोपी को नकार दिया था। अब एक बार फिर से भारतीय कुश्ती संघ द्वारा शोकॉज नोटिस जारी किए जाने के बाद दिनेश फोगाट को एक बड़ा झटका लगा है। इसकी पुष्टि राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय कुश्ती संघ ने की है।

प्रतिबंधित दवाओं की खेप पकड़ी गई, एक गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। पुलिस ने सक्रिय ड्रग तस्करों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत एक कामयाबी हासिल की है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस की टीमों ने पनियरा क्षेत्र के गिरगिटियां में छापेमारी कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया। इस दौरान 3584 कैप्सूल डिक्सीक्लोमाइन हाइड्रोक्लोराइड, टरामंडोल हाइड्रोक्लोराइड, एसीटामाइनोफेन व 1800 एम्पुल टरमाडोल इंजेक्शन बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी यह धंधा दो साल से करता था और अपने घर से प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री करता था। गिरफ्तार आरोपी अल्ताफ अहमद (57) ग्राम गिरगिटियां का ही रहने वाला है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि उसने प्रतिबंधित दवाओं का भण्डारण किया है और उसकी अवैध रूप से बिक्री करता है। उसके द्वारा यह कार्य पिछले दो साल से किया जा रहा था। बरामद दवाओं की भारतीय बाजार में कीमत लाखों में बताई जा रही है और इसकी उपलब्धता बहुत कठिन होती है। जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करोड़ रुपये तक बताई जा रही है. मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष पनियरा राघवेन्द्र सिंह, श्यामदेउरवा अभिषेक सिंह, एसोजी प्रभारी योगेश सिंह, स्वाट प्रभारी आशीष कुमार सिंह, महिला उप निरीक्षक सारिका सिंह, हेड कांस्टेबल दीपक पटेल, रणजीत सिंह,ध्अमित सिंह, कुतुबुद्दीन, शैलेष त्रिपाठी, कृष्ण कुमार सिंह, धीरेन्द्र मिश्रा, कैलाश द्विवेदी, संदीप भास्कर, राजकुमार यादव, अभिषेक यादव की टीम ने गांव में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान अफरा–तफरी मच गई। पुलिस टीम ने प्रतिबंधित दवाओं की बरामदगी करते हुए आरोपी को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया. अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ ने बताया कि पुलिस टीमों की संयुक्त कार्रवाई में भारी मात्रा में प्रतिबंधित कैप्सूल व इंजेक्शन बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से हजारों की संख्या में प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद हुई हैं। पूछताछ में पता चला है कि वह लगभग दो वर्षों से यह अवैध धंधा कर रहा था। अपने घर पर इन दवाओं का भंडारण कर अवैध रूप से बिक्री करता था। थाना पनियरा में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है.

झूलते हाईटेंशन तार से दो गायों की मौत

संवाददाता–देवरिया। जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के धनौती खुर्द गांव में शनिवार सुबह एक हाईटेंशन बिजली तार की चपेट में आने से दो गायों की मौत हो गई। इस घटना के बाद ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति भारी आक्रोश देखा गया।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी हृदयानंद यादव की गायें शनिवार सुबह करीब नौ बजे खेत में चरने गई थीं। इसी दौरान खेत के ऊपर नीचे लटक रहे बिजली के तार में प्रवाहित करंट की चपेट में आने से दोनों गायों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। ग्रामीणों का आरोप है कि खेत के ऊपर यह हाईटेंशन तार पिछले लगभग एक महीने से झूल रहा था। इसकी शिकायत कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कुछ दिन पहले इसी स्थान पर करंट लगने से एक बछड़े की भी मौत हो चुकी थी, फिर भी विभाग ने गंभीरता नहीं दिखाई। घटना की सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी सिटी संजय रेड्डी, सदर कोतवाल राकेश कुमार राय और नायब तहसीलदार शिवेंद्र कौण्डिल्य मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में एसडीओ अरुण कुमार ने बताया कि हाईवे बाईपास निर्माण के दौरान दो दिन पहले एक बिजली का खंभा झुक गया था, जिसके कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि संबंधित जेई को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। साथ ही, नए खंभे लगाकर तारों को दुरुस्त कराया जाएगा और पीड़ित पशुपालक को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

ईंट–भट्टे पर गड्ढे में डूबकर तीन बच्चों की मौत, मचा कोहराम

संवाददाता–कुशीनगर। शनिवार सुबह कसया थाना क्षेत्र के ग्रामसभा मैनपुर के टोला दीनापट्टी स्थित एक ईट भट्ठे पर ईट के लिए मिट्टी निकाले गए गड्ढे में बरसात का पानी भरा था जिसमें चार मासूम बच्चे खेलते खेलते गड्ढे में गिर गए। जिसमें से एक बच्चा किसी तरह गड्ढे से निकलकर बाहर आया और परिजनों को सूचना दिया। जिसके बाद मौके पर पहुंच परिजन सभी बच्चों को बाहर निकाले और सीएचसी कसया ले आए। जहां डॉक्टरों ने जांचोपरांत तीनो बच्चों को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, शनिवार की सुबह लगभग साढ़े सात बजे दीनापट्टी गांव स्थित पंकज ईट उद्योग भट्टे पर छत्तीसगढ़ के मजदूर परिवार मजदूरी कर जीवकोपार्जन करते है। घटना के दिन सभी परिजन भट्ठे पर कार्य कर रहे थे वहीं उनके बच्चे अभय (3वर्ष) पुत्र पंचु निवासी फरहदा जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़, अनन्या (7) पुत्री लखन निवासी अकलतारा जिला जांजगीर चांपा बाना छत्तीसगढ़, अनुष्का (ढाई वर्ष) पुत्री सुखन निवासी फरहदा जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक और बच्चे के साथ खेल रहे थे। खेलते खेलते ईट बनाने के लिए निकाले गए मिट्टी से बने गड्ढे के समीप पहुंच गए। गड्ढे में बरसात का पानी भरा हुआ था। चारों बच्चे खेलते खेलते पानी में गिर गए। जिसमें से एक बच्ची जैसे तैसे गड्ढे से किसी तरह बाहर निकलकर रोते चिल्लाते काम कर रहे परिजनों के पास गई और बताई। मौके पर पहुंचे परिजन तीनों बच्चों को गड्ढे से बाहर निकालकर सीएचसी कसया लाए जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने बच्चों को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर सीएचसी पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज अग्रिम कार्रवाई में जुट गई। इस संबंध में हल्का दरोगा वरुणेश उपाध्याय ने बताया कि भट्ठे पर कार्य करने वाले मजदूर के बच्चे खेल रहे थे और गड्ढे में गिर गए जिससे उनकी मौत गई। तीनों शव को पीएम के लिए भेज विधिक कार्रवाई किया जा रहा है। घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

मोबाइल चोरी गिरोह के 4 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–गोंडा। जिले में मोबाइल चोरी और झपट्टामारी की घटनाओं पर पुलिस ने कार्रवाई की है। देहात कोतवाली पुलिस ने झपट्टामारी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वहीं रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने भी मोबाइल चोरी के दो आरोपियों को पकड़ा है। देहात कोतवाली पुलिस ने अल्लारक्खा और दादू नामक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक चोरी का मोबाइल फोन और एक अवैध तमंचा बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, इन दोनों ने बादशाह उर्फ अयान के साथ मिलकर 6 मई को पल्सर मोटरसाइकिल से झपट्टामारी की घटना को अंजाम दिया था। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। दूसरी ओर, गोंडा रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेलवे स्टेशन के पास चलती ट्रेन और प्लेटफॉर्म पर सो रहे यात्रियों के मोबाइल फोन चुराने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नफीस और मोहम्मद तोहिद के रूप में हुई है। इनके कब्जे से तीन चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 65,000 रुपये बताई जा रही है। आरपीएफ ने इन दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें गोंडा रेलवे न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक अनिरुद्ध राय ने बताया कि पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं, जिन पर आगे की जांच की जा रही है।

गोंडा देहात कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने उनके थाना क्षेत्र में एक झपट्टामारी की घटना को अंजाम दिया था और पिछले दो दिनों से फरार चल रहे थे। उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

सीमावती क्षेत्र पहुंचे डीएम–एसपी, सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति देखी

संवाददाता–महराजगंज। डीएम गौरव सिंह सोगरवाल व एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने शनिवार को सोनौली सीमा का निरीक्षण किया। सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति देखी। सुरक्षा बलों की ड्यूटी प्रणाली देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को कड़ी करने का निर्देश दिया। दोनों अधिकारियों ने आईसीपी परिसर सहित सीमावर्ती क्षेत्रों का भ्रमण कर संबंधित एजेंसियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिया। सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था, आवागमन प्रबंधन, चेकिंग प्रणाली, दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया एवं कानून–व्यवस्था की गहन समीक्षा की। साथ ही सीमा पार आने–जाने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों की निगरानी व्यवस्था को परखा। एसएसबी एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें नियमित एवं प्रभावी चेकिंग सुनिश्चित करने, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने तथा किसी भी अवांछनीय गतिविधि पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। सभी एजेंसियों को आपसी समन्वय बनाए रखते हुए लगातार सक्रिय रहने को कहा। इस मौके पर एसडीएम नौतनवा नवीन प्रसाद,

कस्टम अधीक्षक सुधीर कुमार, सहायक सेनानायक सेफवान एन., कोतवाल महेंद्र कुमार मिश्रा सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर इंडिया गेट के पास व्यापारियों ने दोनों अधिकारियों का स्वागत किया। नेपाल कस्टम द्वारा 100 रुपये पर भंसार को लेकर उत्पन्न समस्या बताई और कहा इसके लगने से सीमा एरिया का बाजार प्रभावित हुआ है। जिलाधिकारी ने इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट पहुंचकर वहां अधिकारियों से इसके जल्द निर्माण को लेकर बातचीत की। चेक पोस्ट निर्माण कर रहे अधिकारियों ने कहा कि चेक पोस्ट के फर्स्ट और सेकंड फेज के काम के बाद इस इस महीने कभी भी थर्ड फेज का काम शुरू होगा। नवंबर में चेकपोस्ट बनकर तैयार हो जाएगा। वहीं नेपाल के बेलहिया में 88 एकड़ में बन रहा चेक पोस्ट 90 फीसदी पूरा हो गया है। सोनौली में बन रहे चेक पोस्ट का एरिया 129 एकड़ और 447 करोड़ का बजट है। थर्ड फेज में नेपाल–भारत चेक पोस्ट की रोड कनेक्टिविटी और दो पुलों का निर्माण, 200 ट्रकों की पार्किंग, एसएसबी क्वार्टर, कस्टम, एसएसबी, इमीग्रेशन, प्लांट कोरेन्टाइन, लैंड पोर्ट के कार्यालय, एक डिस्पेंसरी, 4 वाच टावर, फायर स्टेशन, बेयर हाउस एक्सपोर्ट का निर्माण होना है।

जीर्णोद्धार के बाद कृषि भवन का हुआ लोकार्पण, कृषि मंत्री ने योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन पर जोर दिया

संवाददाता–देवरिया। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने शनिवार को जीर्णोद्धार के बाद कृषि भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने फीता काटकर और शिलालेख का अनावरण कर भवन को जनता को समर्पित किया। इस दौरान मंत्री ने भवन के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण भी किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

कृषि मंत्री शाही ने बताया कि कृषि भवन काफी पुराना और जर्जर हो चुका था, जिससे विभागीय कार्यों के संचालन में कठिनाइयां आ रही थीं। जीर्णोद्धार के बाद अब यह भवन पूरी तरह व्यवस्थित और कार्य के अनुकूल हो गया है। इससे विभागीय कार्यों में सुविधा मिलेगी और किसानों से जुड़ी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सकेगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कृषि विभाग की सभी योजनाओं का संचालन पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ किया जाए। मंत्री ने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि किसानों तक योजनाओं

का लाभ समय पर पहुंचे। साथ ही, आधुनिक और नवाचारी कृषि तकनीकों को गांव–गांव तक पहुंचाकर किसानों को अधिक से अधिक लाभान्वित करने के लिए भी कहा।

कृषि मंत्री ने जनपद में निर्माणाधीन कृषि परियोजनाओं को जल्द पूरा कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इसके अतिरिक्त, बैतालपुर में बने कृषि प्रशिक्षण केंद्र में कृषि विभाग के साथ–साथ अन्य विभागों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कराने के भी निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कृषि मंत्री का बुके भेंट कर स्वागत किया। इसके बाद कृषि मंत्री, जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने कृषि परिसर में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, श्रीनिवास मणि, उपनिदेशक कृषि सुभाष मौर्य, भूमि संरक्षण अधिकारी संतोष कुमार मौर्य, जिला कृषि अधिकारी उदय शंकर सिंह सहित कृषि विभाग के अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्वाभिमान और शौर्य के प्रतीक हैं महाराणा प्रताप –दिलीप सिंह

संवाददाता–गोंडा। वजीरगंज के बंधवा चौराहे पर शनिवार की दोपहर में अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद की ओर से वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती श्रद्धा और गौरव के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग शामिल हुए। समारोह के मुख्य अतिथि परिषद के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह ने महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय स्वाभिमान, शौर्य और त्याग के प्रतीक हैं। उनका जीवन संघर्ष, राष्ट्रभक्ति और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है। दिलीप सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप ने विपरीत परिस्थितियों में भी मुगल साम्राज्य के सामने आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया। उनका जीवन आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा और कर्तव्यपथ पर चलने की सीख देता है। कार्यक्रम का आयोजन परिषद के युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अजय सिंह और महामंत्री राजू सिंह के नेतृत्व में किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि जयंती मनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को अपने इतिहास और संस्कृति से जोड़ना है।

इस दौरान लोगों ने महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। आयोजकों ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पवन कुमार सिंह, अवधेश प्रताप सिंह, कमल बहादुर सिंह, देव सिंह समेत संगठन के कई पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप जैसे महापुरुषों के आदर्शों को अपनाकर ही समाज और देश को मजबूत बनाया जा सकता है।

हीटवेव से बचाव के लिए रेडक्रास सोसाइटी सक्रिय, जागरूकता अभियान

संवाददाता–महराजगंज। रेडक्रास दिवस के अवसर पर इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के लोगों ने नवागत डीएम गौरव सिंह सोगरवाल से मुलाकात की। इस दौरान हीटवेव से बचाव के लिए सक्रियता दिखाते हुए सोसाइटी ने जागरूकता अभियान चलाने पर चर्चा की। डीएम के हस्ताक्षर से प्रचार–प्रसार के लिए दो तरह के पोस्टर सार्वजनिक जगहों पर लगाने का निर्णय लिया गया ताकि छोटे बच्चों व लोगों को हीटवेव से बचाने के प्रति जागरूक किया जा सके।

सभापति सैफुल्लाह खान ने डीएम से सोसाइटी की इस योजना के बारे में चर्चा की। डीएम ने कहा कि इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से सामाजिक सरोकारों के कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। बच्चों को हीटवेव से बचाने के लिए जागरूकता अभियान एक अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि जनपद में किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा, अग्निकांड, बाढ़ ग्रस्त स्थानों पर सहायता की जरूरत पड़ती है तो रेड क्रॉस सोसायटी के पदाधिकारी बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हैं। उन्होंने इस जागरूकता अभियान को बेहतर तरीके से चलाने को कहा।

इस अवसर पर इंडियन रेडक्रास सोसाइटी महराजगंज के सभापति मोहम्मद सैफुल्लाह खान, वाइस चेयरमैन राघवेन्द्र प्रताप सिंह, सचिव डॉ. कृष्णा साहनी, कोषाध्यक्ष डॉ. सलीम खान, आजीवन सदस्य सीजे थामस, डॉ. ठाकुर भरत श्रीवास्तव, डॉ. इजहारूल हक, डॉ. राकेश राय व डॉ. शाहबाज खान आदि मौजूद रहे।

दो मासूमों की मौत पर परिजनों को चार–चार लाख की सहायता

संवाददाता–महराजगंज। जिले के बीट नर्सरी क्षेत्र के निवासी डब्लू साहनी और मनीषा के दो मासूम बच्चों की पानी भरे गड्ढे में डूबने से हुई दर्दनाक मौत के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उनके परिजनों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई। तहसील सभागार में सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने 5 वर्षीय राज साहनी और 4 वर्षीय आयुष साहनी के पिता डब्लू साहनी व मां मनीषा को चार–चार लाख रुपये का डेमो चेक दिया। डब्लू साहनी बीट नर्सरी का रहने वाला है और चेहरी टोला महलगंज में किराए के मकान में रहकर परिवार का भरण–पोषण करता है। खेलने के दौरान उसके दोनों मासूम बेटों की बगल के पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई थी। इस दौरान विधायक ने शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि यह घटना अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। उन्होंने कहा कि मासूम बच्चों की असमय मृत्यु से हम सब आहत हैं। सरकार और प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रशासन ने मात्र 24 घंटे के भीतर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की, जिससे पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए। कार्यक्रम के दौरान तहसील प्रशासन के अधिकारियों ने भी पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मानसिक रूप से बीमार युवक ने दृष्टि बाधित भाई को पीटकर मार डाला

संवाददाता–गोण्डा। जिले के धानेपुर थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है। पृथ्वी पाल ग्रांट ग्राम पंचायत के महतोडीह मजरे में एक मंदबुद्धि छोटे भाई ने अपने मंदबुद्धि व दिव्यांग बड़े भाई की हत्या कर दी। दोनों भाई मानसिक रूप से विक्षिप्त बताए जा रहे हैं। यह घटना 9 मई की देर रात करीब 2 बजे हुई। छोटे भाई विराट तिवारी (26) ने बड़े भाई सुमित (39) के सिर पर डंडे से वार किया, जिससे उनकी मौत हो गई। हत्या के बाद विराट अपने भाई के शव के पास ही सो गया। सुबह जब परिवार के सदस्य जागे तो उन्होंने सुमित तिवारी को मृत पाया। पूछताछ करने पर विराट तिवारी ने बताया कि उसने ही डंडे से मारकर सुमित की हत्या की है। इसके बाद परिवार ने विराट को पकड़कर धानेपुर पुलिस को सूचना दी। धानेपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक सुमित तिवारी के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कराया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जांच के दौरान पता चला है कि आरोपी विराट तिवारी अक्सर आने–जाने वाले लोगों पर ईंट–पत्थर फेंकता रहता था। लोग उसे मानसिक रूप से विक्षिप्त मानकर नजरअंदाज कर देते थे।

मृतक सुमित तिवारी को 90 प्रतिशत आंखों से दिखाई नहीं देता था और वह दिव्यांग भी थे। उनकी शादी 10 साल पहले इटियाथोक थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई थी, लेकिन शादी के एक साल बाद ही उनकी पत्नी उन्हें छोड़कर चली गई थी क्योंकि वह मंदबुद्धि थे। इसके बाद उनकी दोबारा शादी नहीं हुई। धानेपुर थाना अध्यक्ष अरविंद यादव ने बताया कि दोनों भाई मानसिक रूप से विक्षिप्त थे। आरोपी विराट तिवारी आए दिन लोगों पर ईंट–पत्थर फेंकता था। उन्होंने पुष्टि की कि विराट ने देर रात डंडे से अपने भाई के सिर पर वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई। मौत के बाद वह अपने भाई के शव के पास ही लेटा रहा। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। मौके पर सीओ सदर शिल्पा वर्मा ने पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया है।

डंपर की टक्कर से युवक की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश में श्रावस्ती जिले के मल्हीपुर थाना क्षेत्र में डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार प्रमोद कुमार बर्मा (27) पुत्र आत्माराम बर्मा निवासी शिवगढ़ कला शादी का कार्ड बांटने के लिए मोटरसाइकिल से कानीबोझी की ओर जा रहे थे। बताया जाता है कि गांव से कुछ दूरी पर जंगल के पास गदृदीपुरवा बैराज के बीच सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही युवक सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया।

आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल एंबुलेंस की सहायता से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

तीसरे दिन मिला मिला नदी में डूबे दोनों किशोर का शव

संवाददाता–श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले के राप्ती नदी में गुरुवार को नहाने गए पांच किशोर डूब गए। इसमें से तीन लोगों को बचा लिया गया था, जबकि दो किशोर डूबकर लापता हो गए थे। दोनों किशोर का शव शनिवार तीसरे दिन घटना स्थल से करीब एक किलोमीटर दूर टीम ने खोज निकाला। गिलौला थाना क्षेत्र के घोरमा परसिया निवासी अभी (15) पुत्र राम प्रसाद व अभिषेक (16) पुत्र गुड्डू गुरुवार को भिनगा कोतवाली क्षेत्र के भाखला घाट के पास राप्ती नदी में नहाने आए थे। उनके साथ उनके रिस्तेदार बहराइच जिले के मरौचा गांव निवासी प्रेम प्रकाश (16) पुत्र शिव पूजन, राहुल (17) पुत्र श्यामू व गोण्डा जिले के भगवानपुर निवासी विनय (16) पुत्र नकछेद भी मौजूद थे। नहाते समय सभी गहरे पानी में डूबने लगे।इस दौरान राहुल, अभिषेक व विनय किसी तरह बाहर निकल आए, जबकि अभी व प्रेम प्रकाश राप्ती नदी में डूबकर लापता हो गए। शनिवार को दोनों का शव टीम ने घटना स्थल से करीब एक किलोमीटर दूर खोज निकाला। मौके पर फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है, जिसे पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। किशोरों का शव मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया है

प्यार में कत्ल, फिर पुलिस का एनकाउंटर, महिला की हत्या का आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। एम्स पुलिस ने महराजगंज की रहने वाली बर्फी देवी की हत्या कर शव छावनी रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में फेंकने वाले आरोपी को शनिवार भोर में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, तमंचा, कारतूस, मोबाइल फोन और मृतका के मंगलसूत्र का लॉकेट बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के बोधरवा मैनागढ़ निवासी राजधारी यादव के रूप में हुई है। वह गोरखपुर के हुमायूंपुर इलाके में स्थित एक पापड़ फैक्ट्री में रहकर राजमिस्त्री का काम करता था। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि छह मई की सुबह छावनी रेलवे स्टेशन से कूड़ाघाट जाने वाले कच्चे रास्ते के किनारे झाड़ियों में एक महिला का शव मिला था।

महिला के पेट और गले पर धारदार हथियार के गहरे निशान पाए गए थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने जांच तेज की। जांच में मृतका की पहचान महराजगंज जिले के सिंगुरिया थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी मोतीचंद की पत्नी बर्फी देवी के रूप में हुई। शव मिलने की सूचना पर पहुंचे मृतका के भाई मुलई चौहान ने राजधारी यादव पर हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराया था। एसपी के मुताबिक शनिवार भोर में आरोपी की लोकेशन छावनी स्टेशन के पास मिली। इसके बाद एसओजी, स्वॉट, सर्विलांस और एम्स थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर दी। पुलिस टीम को देखते ही आरोपी ने फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में उसके दाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, .315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, कीपैड मोबाइल, एंड्रायड मोबाइल फोन और मृतका के मंगलसूत्र का लॉकेट बरामद किया है।

पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि गोरखपुर में काम करने के दौरान उसकी पहचान बर्फी देवी से हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए थे। इसी बीच उसे शक हुआ कि बर्फी की नजदीकी किसी दूसरे व्यक्ति से बढ़ गई है। इसे लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा था। आरोपी ने बताया कि घटना से पहले वह बर्फी देवी को बिहार घुमाने ले गया था। वहां से लौटने के बाद छावनी स्टेशन से कूड़ाघाट जाने वाले सुनसान रास्ते पर दोनों के बीच फिर विवाद हुआ। गुस्से में उसने चाकू से हमला कर बर्फी देवी की हत्या कर दी और शव झाड़ियों में फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने प्राथमिकी उपचार के लिए उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई कर रही है।

2 बाइक आमने–सामने टकराई दो युवकों ने गंवाई जान

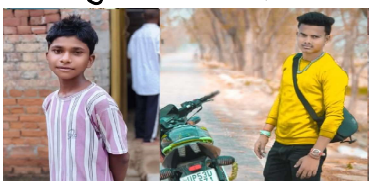

संवाददाता–गोरखपुर। बताया जा रहा है कि रात करीब दस बजे मोहनापुर गांव के पास बंधे पर दोनों बाइकों की आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बेलवार चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की मदद से घायलों को सरकारी वाहन से एम्स ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने देवेंद्र सिंह और भोलू को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल करन उर्फ बृजेश का प्राथमिक उपचार शुरू किया गया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। शनिवार दोपहर परिजनों ने उसे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। मृतक भोलू अपने परिवार में दो बहनों रागनी और आरोही से बड़ा था। उसके पिता मजदूरी कर परिवार का भरण–पोषण करते हैं। वहीं देवेंद्र सिंह अविवाहित था। उसका बड़ा भाई अरुण मजदूरी कर परिवार चलाता है। बताया जा रहा है कि मृतक के पिता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। हादसे के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है और गांव में मातम पसरा है।

संदिग्ध परिस्थितियों मे बीस बकरियों की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में लगभग दो दर्जन बकरियों की अचानक मौत हो गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है और पशुपालकों में दहशत का माहौल है। पशु चिकित्सा विभाग मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच में जुट गया है। यह घटना दुधारा थाना क्षेत्र के सिसई माफी गांव की है। जानकारी के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब 12 बजे गांव के कई पशुपालकों की बकरियां अचानक बीमार पड़ने लगीं। देखते ही देखते एक–एक कर करीब दो दर्जन बकरियों की मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह तक सभी बकरियां स्वस्थ थीं, लेकिन अचानक उनकी हालत बिगड़ी और कुछ ही समय में उनकी मौत हो गई, जिससे पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा–तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। पशुपालकों ने आशंका जताई है कि बकरियों ने संभवतः कोई जहरीली पदार्थ खा लिया होगा या फिर वे किसी संक्रामक बीमारी की चपेट में आ गई होंगी। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का पता जांच रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। मामले की जानकारी मिलने पर पशु चिकित्सा विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। विभागीय अधिकारियों ने मृत बकरियों का निरीक्षण किया और बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए आवश्यक जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। घटना के बाद गांव के पशुपालकों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कराने और प्रभावित पशुपालकों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है।

बरात में खाने के दौरान विवाद, युवक की चाकू घोंपकर हत्या

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर इलाके में शुक्रवार रात एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया, जब मामूली विवाद के बाद मनबढ़ युवकों ने एक युवक की पेट में चाकू घोंपकर हत्या कर दी। घटना बिछिया स्थित ताड़ीखाना इलाके के बघेल मैरिज लान की है, जहां बरात में भोजन के दौरान कपड़े पर खाना गिरने को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गई। जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के आवास विकास कालोनी स्थित पानी टंकी के पास रहने वाले युवक की बरात बिछिया स्थित मैरिज लान में आई थी। रात में बराती भोजन कर रहे थे। इसी दौरान कुछ युवकों के कपड़े पर भोजन गिर गया, जिसको लेकर कहासुनी शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। इसी बीच कुछ युवकों ने सुमित कुमार के पेट में चाकू घोंप दिया। चाकूबाजी की घटना होते ही शादी समारोह में अफरा–तफरी और भगदड़ मच गई।

मौके पर मौजूद लोग घायल सुमित को लेकर तत्काल बीआरडी मेडिकल कॉलेज के नेहरू अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और खुशियों का माहौल मातम में बदल गया। बताया जा रहा है कि सुमित कुमार की शादी महज तीन महीने पहले ही हुई थी। उसकी मां रेलवे में सफाईकर्मी के पद पर कार्यरत हैं। बेटे की मौत की खबर मिलते ही पिता बदहवास हो गया। परिजनों और रिश्तेदारों का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही शाहपुर पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो युवकों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि वारदात में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा सके। सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह ने बताया कि मामले में दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

उपयोग में न आने वाले भवन ध्वस्त होंगे, डीएम ने दिया आदेश

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जर्जर पानी की टंकी पर हुए हादसे के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने जिले में निष्प्रयोज्य और खतरनाक भवनों को चिन्हित कर तत्काल ध्वस्त करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश सभी विभागाध्यक्षों, अधिशासी अभियंताओं और कार्यदायी संस्थाओं को जारी किया गया है। 2 मई शनिवार को नगर पालिका क्षेत्र में हुई। पांच किशोर एक जर्जर पानी की टंकी पर रील बनाने के लिए चढ़े थे। उतरते समय टंकी की सीढ़ी टूट गई, जिससे तीन लड़के नीचे गिर गए और दो लड़के ऊपर फंस गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और प्रशासन को सूचित किया। घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य की कमान संभाली। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को भी बुलाया गया, जिसके बाद फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ और अन्य बचाव दल मौके पर तैनात किए गए। बचाव अभियान प्रशासन के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। पानी की टंकी के चारों ओर दलदल और पानी भरा होने के कारण भारी मशीनों का पहुंचना कठिन था। इसके लिए तीन जेसीबी और एक पोकलैंड मशीन की सहायता से लगभग डेढ़ सौ मीटर लंबा अस्थायी रास्ता बनाया गया। प्रशासन ने लगभग डेढ़ सौ डंपर गिट्टी, ईंट के रोड़े और मिट्टी डालकर रास्ते को मजबूत किया। प्रशासनिक टीमें देर रात तक मौके पर सक्रिय रहीं। गोरखपुर से मंगाई गई हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म क्रेन का मुख्य मार्ग पर ट्रायल के दौरान सेंसर काम नहीं किया। इसके बाद लखनऊ से दूसरी हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म क्रेन भेजी गई, जो बाराबंकी तक पहुंच चुकी थी। इसी बीच, प्रशासन ने श्लान–बीश के तहत एयरफोर्स की मदद लेने का निर्णय लिया। रविवार सुबह लगभग 5:20 बजे एयरफोर्स के हेलीकॉप्टर द्वारा दोनों किशोरों को सुरक्षित बचा लिया गया। इस हादसे में जुगलीपुर निवासी 12 वर्षीय बाले उर्फ सिद्धार्थ की मौत हो गई। वह मोहाना थाना क्षेत्र के जुगलीपुर गांव का निवासी था और चार दिन पहले अपने चचेरे भाई पवन के घर काशीराम आवास कॉलोनी आया था। वह अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था और कक्षा पांच का छात्र था। हादसे में शास्त्रीनगर निवासी 14 वर्षीय गोलू और उरवलिया गांव निवासी 11 वर्षीय सनी भी घायल हुए। वहीं टंकी पर फंसे 16 वर्षीय कल्लू उर्फ साहबान और 15 वर्षीय पवन का घंटों चले अभियान के बाद सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। घटना के बाद जिलाधिकारी ने पूरे जिले में जर्जर और निष्प्रयोज्य भवनों, पानी की टंकियों, बाउंड्रीवाल और अन्य खतरनाक संरचनाओं का सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने कहा है कि ऐसे ढांचे कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं, इसलिए उन्हें तत्काल चिन्हित कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत ध्वस्त कराया जाए। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में किसी निष्प्रयोज्य अथवा जर्जर सरकारी संरचना में हादसा होता है तो संबंधित विभागीय अधिकारी को सीधे जिम्मेदार माना जाएगा। डीएम के इस आदेश के बाद अब विभिन्न विभागों में पुराने और खतरनाक भवनों की सूची तैयार की जा रही है और जल्द ही बड़े पैमाने पर ध्वस्तीकरण अभियान शुरू होने की संभावना है।

वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के संदेशों से गूंजा अंबेडकर सभागार: महाराणा प्रताप जयंती समारोह में प्रतिमा व छात्रावास निर्माण की घोषणा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर मुख्यालय स्थित विकास भवन के अंबेडकर सभागार में शनिवार को महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती समारोह ऐतिहासिक गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में जिले भर से आए क्षत्रिय समाज के लोगों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं, युवाओं और समाजसेवियों ने भाग लेकर महाराणा प्रताप के शौर्य, त्याग, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान को याद किया। समागार में सुबह से ही भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी और पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति तथा ऐतिहासिक गौरव के नारों से गूंजता रहा। कार्यक्रम का आयोजन अखिल क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्ष भूप नारायण सिंह उर्फ राजन सिंह के नेतृत्व में किया गया। समारोह की शुरुआत महाराणा प्रताप के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। उपस्थित लोगों ने महाराणा प्रताप को राष्ट्र गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक बताते हुए उनके जीवन संघर्षों को नमन किया। समारोह का मुख्य आकर्षण उस समय रहा जब जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि ने मंच से सिद्धार्थनगर मुख्यालय पर महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा स्थापित कराने और महाराणा प्रताप छात्रावास के निर्माण की घोषणा की। घोषणा होते ही सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। लोगों ने इसे समाज के लिए ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए स्वागत किया। वक्ताओं ने कहा कि इससे नई पीढ़ी को महाराणा प्रताप के इतिहास और उनके आदर्शों से प्रेरणा मिलेगी।

शिवपति डिग्री कॉलेज शोहरतगढ़ के प्राचार्य डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप केवल मेवाड़ के राजा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के अमर प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि हल्दीघाटी का युद्ध आत्मसम्मान की लड़ाई था, जिसने दुनिया को यह संदेश दिया कि राष्ट्र और स्वाभिमान के लिए संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं जाता। उन्होंने युवाओं से इतिहास पढ़ने और राष्ट्रहित में आगे आने की अपील की।

सिविल सिद्धार्थ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं अखिल क्षत्रिय महासभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष अखण्ड प्रताप सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन संघर्ष, साहस और त्याग की जीवंत मिसाल है। उन्होंने कहा कि समाज को एकजुट होकर उन मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए, जिनके लिए महाराणा प्रताप ने जीवनभर संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने कभी अन्याय के सामने घुटने नहीं टेके और यही संदेश आज की पीढ़ी को अपनाना चाहिए। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के महान रक्षक थे। उनका जीवन कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, साहस और राष्ट्रभक्ति बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने समाज में शिक्षा, संगठन और संस्कारों को मजबूत करने पर जोर दिया।

पूर्व विधायक अनिल सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप का नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। आज भी जब वीरता और राष्ट्रभक्ति की बात होती है तो सबसे पहले महाराणा प्रताप का नाम सामने आता है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक एकता और राष्ट्र निर्माण में आगे आने का आह्वान किया। ब्लॉक प्रमुख लोटन आशीष प्रताप सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। उनका जीवन सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी आत्मसम्मान से समझौता नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा और संगठन के माध्यम से समाज को मजबूत बनाया जा सकता है। कुंवर विक्रम प्रताप सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप ने अपना पूरा जीवन मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उनका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। वहीं हरेंद्र सिंह और हरिशंकर सिंह ने कहा कि समाज को महाराणा प्रताप के विचारों को घर–घर तक पहुंचाने की जरूरत है ताकि युवा अपने गौरवशाली इतिहास को जान सकें। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। अनूप सिंह, अंकित सिंह, बिट्टू सिंह, शेखर सिंह, जगदंबा सिंह सहित सैकड़ों लोग समारोह में उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में अनुशासन, सामाजिक एकता और ऐतिहासिक गौरव की झलक दिखाई दी। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप के आदर्श समाज को हमेशा नई दिशा देते रहेंगे।

प्रेमिका से शादी की जिद में टावर पर चढ़ा युवक, उतारने के लिए पुलिस परेशान

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के बखिरा थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग को लेकर शनिवार को हाईवोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। क्षेत्र के कौड़िया गांव का निवासी एक युवक अपनी प्रेमिका से शादी कराने की मांग को लेकर देवकली स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक को टावर पर चढ़ा देख क्षेत्र में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही बखिरा पुलिस, डायल 112 और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। बताया जा रहा है कि बखिरा थाना क्षेत्र के कौड़िया गांव निवासी मन्तोष (28) पुत्र शिवचरण का मगहर क्षेत्र की एक युवती से लंबे समय से प्रेम संबंध चल रहा है।

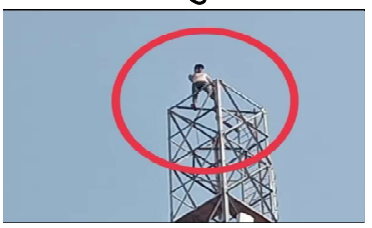

दोनों एक–दूसरे से शादी करना चाहते हैं, लेकिन पारिवारिक सहमति न बनने के कारण मामला उलझा हुआ है। इसी बात से नाराज युवक शनिवार को 2:30 के करीब अचानक देवकली पहुंचा और मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक टावर के ऊपरी हिस्से में बैठकर लगातार प्रेमिका से शादी कराने की मांग करता रहा। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों से भी लोग मौके पर पहुंचने लगे। टावर के नीचे लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। कई लोग युवक का वीडियो बनाते नजर आए, जबकि पुलिस लगातार भीड़ को हटाने और युवक को शांत कराने में जुटी रही। युवक की हरकत से इलाके में अफरा–तफरी जैसी स्थिति बनी रही। पुलिस अधिकारियों ने युवक से बातचीत शुरू की और उसे सुरक्षित नीचे उतरने के लिए समझाया। युवक बार–बार यही कहता रहा कि यदि उसकी शादी प्रेमिका से नहीं कराई गई तो वह नीचे नहीं उतरेगा। मौके पर पहुंचे परिजनों ने भी युवक को काफी समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ा रहा। इस घटनाक्रम के दौरान पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए युवक को बातचीत में उलझाए रखा।

वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोग और जनप्रतिनिधि भी युवक को समझाने में लगे रहे। पुलिस ने युवती पक्ष से भी संपर्क साधकर स्थिति को सामान्य कराने का प्रयास किया। घंटों की मशक्कत और मान–मनौव्वल के बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतारने की कोशिश जारी है। पुलिस का कहना है कि युवक को समझाकर सुरक्षित उतारने का प्रयास किया जा रहा था

खेसरहा कॉलेज में मेधावी छात्रों का सम्मान, शिक्षक विधायक ने शिक्षा को सबसे बड़ी पूंजी बताया

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले के खेसरहा ब्लॉक स्थित जय सरयू ज्ञान केंद्र इंटर कॉलेज, बौडीहार में एक पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, अनुशासन और संस्कारों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विधायक त्रिपाठी ने यह भी कहा कि प्रतिभाओं को सम्मानित करने से बच्चों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है।

विद्यालय प्रबंधक राधेश्याम चतुर्वेदी ने संस्था की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विद्यालय का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। भाजपा नेता दिलीप चतुर्वेदी ने भी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

विद्यालय के प्राचार्य आशीष पांडे ने सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर भाजपा नेता घनश्याम मिश्रा, क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति, अभिभावक, शिक्षक और छात्र–छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद थे।

समारोह के दौरान, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद (उ.प्र.) हाई स्कूल वर्ष 2011 अनुक्रमांक 2413074 का अंक पत्र एवं सह अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(अवधेश कुमार)
पुत्र श्री राम गरीब निषाद
ग्राम– मलौली गोसाई
पोस्ट– शंकरपुर
जनपद– बस्ती।

सीडीओ ने गौशाला का किया निरीक्षण

संवाददाता–संतकबीरनगर। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) जयकेश त्रिपाठी ने शनिवार को बेलहर विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत मगौसा स्थित स्थायी गौशाला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें गौशाला की व्यवस्थाओं में कई खामियां मिलीं, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई और आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए।

निरीक्षण में सामने आया कि गौशाला में हरे चारे की कमी है। छायादार पौधे न होने पर पशुओं को राहत कैसे मिलेगी। सीडीओ ने ग्राम पंचायत अधिकारी सौरभ चौधरी और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुओं की देखभाल, खान–पान और रखरखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी कमियों को जल्द से जल्द दूर करने का आदेश दिया। गौशाला में 250 से अधिक पशु हैं, जिनकी जिम्मेदारी आठ गौवंश पालकों पर है। सीडीओ ने पशुओं की बेहतर देखभाल और रखरखाव के लिए गौवंश पालकों की संख्या बढ़ाने की बात कही।

इस निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी श्वेत वर्मा, एडीओ पंचायत पंकज कुमार सिंह, सीवीओ सहित कई अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

बच्चों और गर्भवती महिलाओं को मिली सुरक्षा की खुराक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। श्यामपुर गांव में शनिवार को बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए एक विशेष टीकाकरण शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार संपन्न हुआ। शिविर में एएनएम मोनिका ने टीकाकरण प्रक्रिया पूरी की। उन्होंने लाभार्थियों को विभिन्न बीमारियों से बचाव के टीके लगाए और उनके रिकॉर्ड अपडेट किए। आंगनवाड़ी कार्यकत्री आराधना शुक्ला ने शिविर के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने गांव में घर–घर जाकर लोगों को जागरूक किया और लाभार्थियों को टीकाकरण केंद्र तक पहुंचाने में सक्रिय सहयोग दिया। टीकाकरण के दौरान, एएनएम मोनिका ने उपस्थित माताओं को नियमित टीकाकरण के लाभ समझाए। उन्होंने बताया कि सही समय पर टीका लगवाने से शिशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और भविष्य में गंभीर बीमारियों का खतरा कम होता है।

आराधना शुक्ला ने पोषण और स्वच्छता पर भी जोर दिया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्वुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com